

## ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

The 19th November, 1992

No. 45/35/92-Edu. III(2).—In exercise of the powers conferred by section 25 (I) of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 and all other powers enabling him in this behalf, the Governor of Haryana is pleased to impose ban on the movement of antiquities/sculptures or class of antiquities as specified in the schedule given below and should not be removed from the temple in the Jain Dharamshala at Village Ranila, District Bhiwani where they are lying at present without written permission of the Director, Archaeology.

## SCHEDULE

Serial No.	Name of Antiquities/ Sculptures	Village/ District	Remarks
1	Charreshvari Devi	Ranila (Bhiwani)	This is a rare sculpture of 10-11th Century AD of Gurjar Prathihara Art.
2	Adi Nath	Do	Ditto

T. D. JOGPAL,  
Commissioner and Secretary to Government, Haryana,  
Archaeology Department.

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर पुरुस्कार

दिनांक 23 दिसम्बर, 1992

क्रमांक 3280-ज-2-92/28915.—श्री लाल चन्द, पुत्र श्री रामा नन्द, निवासी गांव फोगांट, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (1) तथा 3 (1) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1335-ज-1-78/25310, दिनांक 13 सितम्बर, 1978 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/14040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री लाल चन्द की दिनांक 17 जुलाई, 1992 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री लाल चन्द की विवाह श्रीमती भगवानी के नाम खी, 1993 से 300 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 4 जनवरी, 1993

क्रमांक 3290-ज-2-92/114.—श्री दलीप सिंह, पुत्र श्री चन्द, निवासी गांव मान्डी हरिया, तहसील दादरी, जिला भिवानी को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 524-ज-1-77/10687, दिनांक 2 अप्रैल, 1977 द्वारा 150 रुपये और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्री दलीप सिंह, की दिनांक 29 नवम्बर, 1989 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इर जागीर खी श्री दलीप सिंह की विवाह श्रीमती निम्बो देवी के नाम खरीफ, 1990 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत करते हैं।

आर० एल० चावला,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,

राजस्व विभाग।